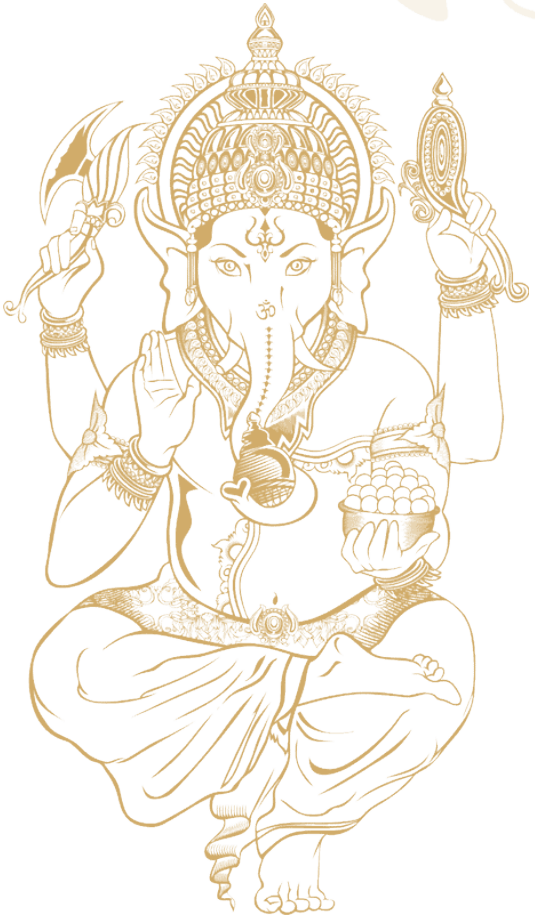

Mr. sparsh

17 Mar 2005

10:05 AM

Ghaziabad

Model: web-freekundliweb

Order No: 121036808

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**17/03/2005**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**10:05:00 घंटे**
इष्ट	09:02:15 घटी
स्थान	**Ghaziabad**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	28:40:00 उत्तर
रेखांश	77:26:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	09:44:44 घंटे
वेलान्तर	-00:08:22 घंटे
साम्पातिक काल	21:24:10 घंटे
सूर्योदय	06:28:05 घंटे
सूर्यास्त	18:29:38 घंटे
दिनमान	12:01:32 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	02:45:31 मीन
लग्न के अंश	11:15:54 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**मृगशिरा - 1**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	आयुष्मान
करण	वणिज
गण	देव
योनि	सर्प
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वे-वेद
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	11:15:54	383:33:50	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	मंगल	---
सूर्य			मीन	02:45:31	00:59:43	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	मित्र राशि
चंद्र			वृष	25:58:23	12:06:10	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	मूलत्रिकोण
मंगल			मक	03:30:14	00:43:15	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	उच्च राशि
बुध			मीन	19:37:32	00:23:24	रेवती	1	27	गुरु	बुध	शुक्र	नीच राशि
गुरु	व		कन्या	22:12:24	00:06:53	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र		अ	कुंभ	29:14:01	01:14:45	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	सूर्य	मित्र राशि
शनि	व		मिथु	26:29:19	00:00:33	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	केतु	मित्र राशि
राहु			मीन	29:08:58	00:00:19	रेवती	4	27	गुरु	बुध	शनि	सम राशि
केतु			कन्या	29:08:58	00:00:19	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	शत्रु राशि
हर्ष			कुंभ	13:57:24	00:03:19	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	---
नेप			मक	22:37:09	00:01:51	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	---
प्लूटो			धनु	00:33:35	00:00:20	मूल	1	19	गुरु	केतु	केतु	---
दशम भाव			मक	24:40:44	--	धनिष्ठा	--	23	शनि	मंगल	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:55:41

लग्न-चलित

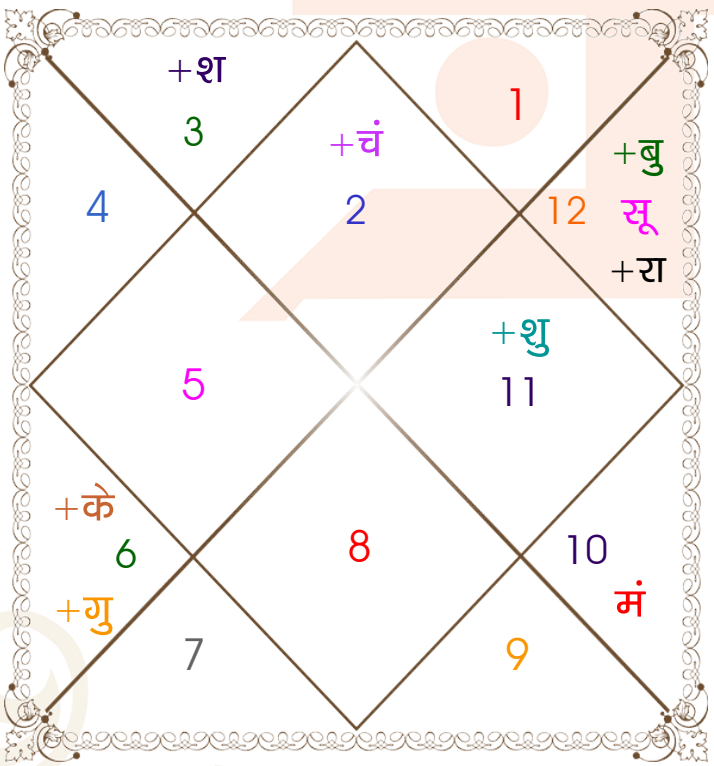

चन्द्र कुंडली

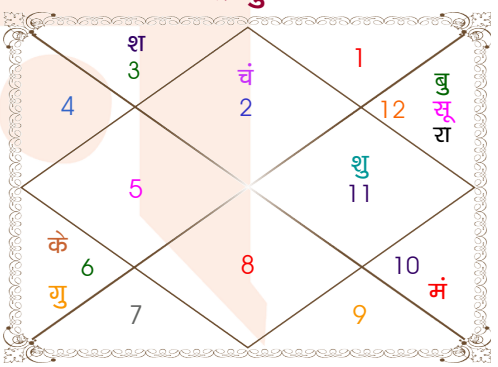

नवमांश कुंडली

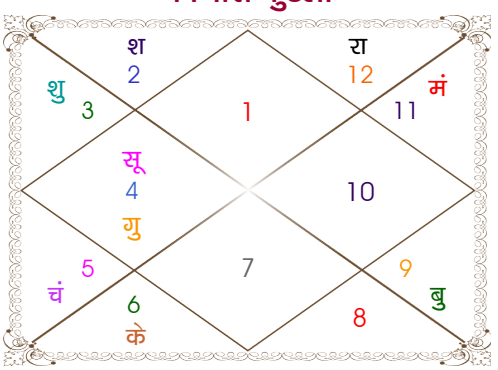

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 5 वर्ष 7 मास 11 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
17/03/2005		27/10/2010		27/10/2028		27/10/2044		28/10/2063	
27/10/2010		27/10/2028		27/10/2044		28/10/2063		27/10/2080	
	17/03/2005	राहु	10/07/2013	गुरु	15/12/2030	शनि	31/10/2047	बुध	25/03/2066
राहु	12/04/2005	गुरु	03/12/2015	शनि	27/06/2033	बुध	10/07/2050	केतु	23/03/2067
गुरु	19/03/2006	शनि	09/10/2018	बुध	03/10/2035	केतु	19/08/2051	शुक्र	20/01/2070
शनि	28/04/2007	बुध	28/04/2021	केतु	08/09/2036	शुक्र	18/10/2054	सूर्य	27/11/2070
बुध	24/04/2008	केतु	16/05/2022	शुक्र	10/05/2039	सूर्य	30/09/2055	चंद्र	27/04/2072
केतु	20/09/2008	शुक्र	16/05/2025	सूर्य	26/02/2040	चंद्र	01/05/2057	मंगल	25/04/2073
शुक्र	21/11/2009	सूर्य	10/04/2026	चंद्र	27/06/2041	मंगल	09/06/2058	राहु	12/11/2075
सूर्य	28/03/2010	चंद्र	09/10/2027	मंगल	03/06/2042	राहु	15/04/2061	गुरु	17/02/2078
चंद्र	27/10/2010	मंगल	27/10/2028	राहु	27/10/2044	गुरु	28/10/2063	शनि	27/10/2080

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
27/10/2080		28/10/2087		29/10/2107		28/10/2113		29/10/2123	
28/10/2087		29/10/2107		28/10/2113		29/10/2123		00/00/0000	
केतु	25/03/2081	शुक्र	26/02/2091	सूर्य	15/02/2108	चंद्र	29/08/2114	मंगल	26/03/2124
शुक्र	25/05/2082	सूर्य	26/02/2092	चंद्र	16/08/2108	मंगल	30/03/2115	राहु	18/03/2125
सूर्य	30/09/2082	चंद्र	27/10/2093	मंगल	22/12/2108	राहु	28/09/2116		00/00/0000
चंद्र	01/05/2083	मंगल	27/12/2094	राहु	16/11/2109	गुरु	28/01/2118		00/00/0000
मंगल	27/09/2083	राहु	27/12/2097	गुरु	04/09/2110	शनि	29/08/2119		00/00/0000
राहु	15/10/2084	गुरु	28/08/2100	शनि	17/08/2111	बुध	27/01/2121		00/00/0000
गुरु	21/09/2085	शनि	29/10/2103	बुध	22/06/2112	केतु	28/08/2121		00/00/0000
शनि	31/10/2086	बुध	29/08/2106	केतु	28/10/2112	शुक्र	29/04/2123		00/00/0000
बुध	28/10/2087	केतु	29/10/2107	शुक्र	28/10/2113	सूर्य	29/10/2123		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 5 वर्ष 7 मा 14 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म रोहिणी नक्षत्र के प्रथम चरण में होना आपके उज्जवल भविष्य का द्य ोतक है। जिस समय आपका जन्म हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर वृष लग्न के साथ-साथ मेष राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का द्रेष्काण उदित था। परिणामस्वरूप आपका भविष्य पूर्णता युक्त एवं अन्य ग्रहों के सुप्रभाव से राजयोग का निर्माता है। अस्तु आपका जीवन स्तर बहुत उत्तम रहेगा। आपके जन्म का स्वरूप पूर्णतः आपके अनुकूल प्रतीत होता है। आप अपने जीवन का नेतृत्व कर, सुखद एवं सरलता पूर्वक धन संपत्ति से युक्त तथा आनंददायक पारिवारिक जीवन व्यतीत करेंगे। आपकी राशि का प्रतीक बैल है। जो आपमें ईश्वरीय प्रदत्त सदगुणों की समृद्धता प्रकट करता है। आप मृदुभाषी एवं सत् चित्त युक्त है, तथा आप बिना किसी के सहयोग से नहीं मात्र अपने प्रयास से उन्नति प्राप्त करेंगे। क्योंकि यह गुण आप में विद्यमान है। अन्य की तुलना में आप भक्ति भावना से युक्त हैं, तथा आप में गंभीर विषयों के संपादन का निर्देशन शक्ति परिलक्षित होता है।

बुनियादी तौर पर आप किसी के भी साथ व्यक्तिगत रूप से शांतिपूर्ण प्रेमसंबंध स्थापित करते हैं। आप दूसरों के वाद-विवाद से बच कर अथवा प्रेम संबंध में मध्यस्थता नही चाहते हैं। परंतु यदि कोई किसी भी अवसर पर आपको उत्तेजित करता है, प्रतिक्रिया स्वरूप आप उस पर हिंसात्मक प्रहार करते हैं। आपको पूर्ण रूपेण इस प्रवृत्ति को त्याग कर, अपने आवेग को नियंत्रित रखना चाहिए।

आपकी विस्तृत मित्र या मित्र मंडली के द्वारा उत्कृष्ट धन या भूमि का लाभांश की प्राप्ति सहयोगात्मक भावना से युक्त होकर अंतर आत्मा से सहायता आवश्यक हैं।

आप पूंजी निवेश, कठिन परिश्रम तथा सुनियोजित कार्यक्रम द्वारा अधिक धन संग्रह करेंगे। परंतु आप इस प्रकार के समतल आय से संतुष्ट नही होंगे। क्योंकि वास्तव में आपका संबंध क्षेत्र विस्तृत है। इसलिए आप उच्चशिखर तक धन संपत्ति संग्रह करना चाहते हैं।

इस प्रकार स्पष्ट होता है कि आपमें पूर्ण रूपेण धन लो लुप्तता विद्यमान है। प्रायः आपकी कृपणता पर ही आपका अस्तित्व निर्भर करता हैं क्योंकि आपकी मुट्ठी बंधी हुई अर्थात् हृदय अनुदार है।

शारीरिक रूप से आप मध्यम कद के साथ ही चौड़े कंधे एवं उन्नत मांसल स्वस्थ्य एवं प्रसन्नचित्त मुखाकृति के प्राणी होंगे। आपकी ललाट उन्नत, गर्दन झुकी हुई एवं आंखें चमकीली होगी। आपका पारिवारिक वातावरण अन्यों की द्वारा इर्ष्यायुक्त रहेगी। आपके पति-पत्नी का स्नेहमय प्रवृत्ति से आपका घरेलू जीवन प्रसन्नता पूर्ण एवं सगे संबंधियों के साथ प्रगाढ़ मैत्रीपूर्ण तथा सुव्यवस्थित संबंध रहेगा। आप अपने (घर) भवन की सजावट अच्छे-अच्छे साज शय्याओं से युक्त तथा शरीर के लिए आरामदायक वस्तुओं से सुसज्जित रखेंगे। वर्त्तमान काल रंग-बिरंगे चित्रों को पंक्तिबद्ध तरीके से बहुत मात्रा में सुव्यवस्थित ढंग से अपने घर में लगाते हैं।

इसके अतिरिक्त आप पूर्णरूपेण स्वस्थ्य शरीर धारण कर, जीवन का उत्तम आनंद प्राप्त करेंगे। आयु वृद्धि के साथ-साथ आपको गले रोग, कफ एवं शीतप्रकोप, पैर के सूजन आदि रोगों की संभावना के प्रति सतर्क रहें।

आपके लिए व्यवसायिक कार्य हेतु जलीय वस्तुओं का व्यवसाय जैसे मोती, मछलीपालन, सिंघाड़े की खेती आइस क्रीम व्यवसाय, प्रॉप्रार्टी डीलरशिप, भवन संबंधी कार्य एवं ऑटोमोबाइल्स तथा पेट्रोल संबंधित कार्य अनुकूल रहेगा।

आपके लिए भाग्यशाली एवं प्रभावशाली अंक 2 एवं 8 अंक है। अंक 7 एवं 9 अंक भी आपके लिए आकर्षक अंक है। परंतु अंक 5 आपके लिए अनुकूल नही रहेगा। अस्तु इस तारीख से सतर्क रहें।

सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

आपके लिए रंग (श्वेत) सफेद गुलीबी, एव हरा रंग अनुकूल है। परंतु लाल रंग आपके लिए सर्वथा त्यागनीय है।